संपादकीय

शहरीकरण एक अवसर

शहरीकरण को सार्वभौमिक रूप से दुनियाभर की सरकारों के लिए विभिन्न रूपों और आकार में एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2050 तक भारत में काफी ज्यादा शहरीकरण हो चुका होगा और देश की शहरी आबादी लगभग दोगुनी बढ़कर 877 मिलियन पहुंचने की संभावना है। पहले से ही, भारत का शहरी क्षेत्र राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 60 प्रतिशत से अधिक का योगदान करता है और यह आंकड़ा साल 2030 तक 70 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। शहरों के अनुसरण के लिए शहरीकरण का कोई मॉडल नहीं है। हर देश को अपनी जनसांख्यिकी, संस्कृति और सामाजिक-आर्थिक कारकों को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम विकल्प को अपनाना होता है। भारत की विशाल आबादी को देखते हुए ऐसा माना जाता है कि शहरीकरण से पैदा होने वाली चुनौतियां ज्यादा गंभीर होंगी। हालांकि, जनसंख्या लाभांश, एक जीवंत लोकतंत्र और मजबूत संस्थागत ढांचे भारत को शहरीकरण के सर्वोत्तम दृष्टिकोण का इस्तेमाल करने का एक रोमांचक अवसर भी प्रदान करते हैं। 2014 से पहले, शहरीकरण का एजेंडा बिजनेस के लेनदेन जैसा था जहां योजनाओं को दूसरे विभागों से अलग साइलो आधारित दृष्टिकोण के तहत लॉन्च किया जाता था। साथ ही, केंद्र सरकार की भूमिका सबसे प्रभावशाली होती थी, जो योजना के हर पहलू को तय करती थी। वैसे तो, योजनाओं को आखिर में शहरी स्थानीय निकाय स्तरों पर लागू किया जाता था लेकिन प्रत्येक परियोजना का मूल्यांकन और अनुमोदन केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय में होता था। इस तरह का दृष्टिकोण योजनाओं के निराशाजनक परिणाम में दिखाई पड़ा। इसके लिए बस एक ही उदाहरण पर्याप्त होगा। साल 2004 से 2014 के बीच 10 वर्षों में, जेएनएनयूआरएम योजना के तहत केवल 8 लाख घरों का निर्माण किया गया था जबकि जून 2015 में लॉन्च की गई पीएमएवाई (शहरी) मिशन के तहत एनडीए सरकार के छह साल से भी कम के कार्यकाल में 1.13 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई और 50 लाख से भी ज्यादा घर बनाकर दे दिए गए। बाकी मकान निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। इस सरकार में क्या सही किया गया? जवाब है सहकारी संघवाद की भावना, जो मोदी सरकार की नीतियों में शासन के दृष्टिकोण का सार रही है। पीएमएवाई (यू) के मामले में, बड़ी संख्या में घरों को मंजूरी देना संभव हुआ क्योंकि हर परियोजना का अब राज्य सरकार के स्तर पर मूल्यांकन और अनुमोदन किया जाता है और केवल केंद्रीय मदद जारी करने के लिए केंद्रीय मंत्रालय के पास आता है। दूसरा, साइलो आधारित दृष्टिकोण के बजाय, मई 2014 से वर्तमान सरकार ने दुनिया में सबसे व्यापक और नियोजित शहरीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस व्यापक दृष्टिकोण से काफी लाभ मिला है, जैसा कि इस तथ्य से समझा जा सकता है कि 2004 और 2014 के दौरान शहरी विकास योजनाओं में कुल निवेश केवल 1.57 लाख करोड़ रुपये था, जबकि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व वाली इस सरकार के केवल छह वर्षों (2015-2021) में यह निवेश सात गुना बढ़कर 11.83 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इस सरकार का शहरीकरण का एजेंडा अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को पहले के सिद्धांत पर आधारित है। शहरी मामलों के मंत्रालय के प्रत्येक प्रमुख मिशन के तहत महत्वपूर्ण सामाजिक और लैंगिक उद्देश्य इस तरह से अंतर्निहित हैं कि इसका परिणाम केवल एक घर का निर्माण करना नहीं है। बल्कि, प्रत्येक पीएमएवाई घर लैंगिक सशक्तीकरण का प्रतीक है क्योंकि घर का नाम महिला सदस्य के नाम पर या उसके साथ संयुक्त रूप से होना चाहिए। शौचालय के अनिवार्य प्रावधान ने बहुत कम समय में बालिकाओं की सुरक्षा चिंताओं को दूर कर दिया है, चिंताएं वास्तविक थीं लेकिन वे चुपचाप सहन कर रही थीं। 15 अगस्त 2014 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाल किले की प्राचीर से घोषित स्वच्छ भारत अभियान की आलोचना भी की गई थी।

- हरदीप एस. पुरी

टाटा ग्रुप बना एयर इंडिया का नया मालिक, सबसे ज्यादा कीमत लगाकर जीती बोली

नईदिल्ली । एयर इंडिया को लेकर बड़ी खबर आ रही है। एयर इंडिया एकबार फिर टाटा ग्रुप के पास आ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया की बोली टाटा संस ने जीत ली है। मंत्रियों के एक ग्रुप ने टाटा ग्रुप के टेक ओवर प्रस्ताव पर सहमति जता दी है। आने वाले दिनों में जल्दी ही सरकार यह ऐलान कर सकती है।

एअर इंडिया के लिए टाटा ग्रुप और स्पाइसजेट के अजय सिंह ने बोली लगाई थी। यह दूसरा मौका है जब सरकार एअर

इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश कर रही है। इससे पहले 2018 में सरकार ने कंपनी में 76 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश की थी लेकिन उसे कोई रिस्पांस नहीं मिला था।

एयर इंडिया के लिए सरकार ने फाइनेंशियल बिड्स मंगवाई थीं। सरकार इसी वित्त वर्ष में इस सरकारी एयरलाइंस का प्राइवेटाइजेशन करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। ये सरकार के विनिवेश कार्यक्रम का हिस्सा भी है।

बता दें कि एयर इंडिया की शुरुआत 1932 में टाटा ग्रुप ने ही की थी। टाटा समूह के जे। आर। डी। टाटा ने इसकी शुरुआत की थी, वे खुद भी एक बेहद कुशल पायलट थे।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत से सामान्य हवाई सेवा की शुरुआत हुई और तब इसका नाम एअर इंडिया रखकर इसे एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बना दिया गया। वर्ष 1947 में देश की आज़ादी के बाद एक राष्ट्रीय एयरलाइंस की जरूरत महसूस हुई और भारत सरकार ने एअर इंडिया में 49प्रतिशत हिस्सेदारी अधिग्रहण कर ली। इसके बाद 1953 में भारत सरकार ने एयर कॉरपोरेशन एक्ट पास किया और टाटा ग्रुप से इस कंपनी में बहुलांश हिस्सेदारी खरीद ली। इस तरह एअर इंडिया पूरी तरह से एक सरकारी कंपनी बन गई।

सितंबर में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.17 लाख करोड़ के पार

नईदिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर के बाद अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के साथ ही जीएसटी राजस्व संग्रह में फिर से तेजी आने लगी है। इस वर्ष सितंबर में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.17 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है जो पिछले वित्त वर्ष के समान महीने की तुलना में 23 फीसदी अधिक है। कोरोना की दूसरी लहर की वजह से लगाये गये कठोर लॉकडाउन के कारण इस वर्ष जून में जीएसटी राजस्व संग्रह एक लाख करोड़ रुपये से कम रहा था। इससे पहले लगातार नौ महीनों तक यह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा था। अब फिर जुलाई, अगस्त और सितंबर में यह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में औसत जीएसटी राजस्व संग्रह 1.15 लाख करोड़ रुपये रहा है जबकि पहली तिमाही में यह 1.10 लाख करोड़ रुपये रहा था।

इस वर्ष अगस्त में कुल जीएसटी राजस्व संग्रह 117010 करोड़ रुपये रहा है। इसमें सीजीएसटी 20578 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 26767 करोड़ रुपये , आईजीएसटी 60911 करोड़ रुपये और क्षतिपूर्ति उपकर 8754 करोड़ रुपये रहा है। आईजीएसटी में आयात पर जीएसटी 29555 करोड़ रुपये और क्षतिपूर्ति उपकर में आयात पर जीएसटी 623 करोड़ रुपये शामिल है।

अनुपम नये अवतार पीवीआर साकेत के रूप में फिर खुला

नईदिल्ली। प्रीमियम फिल्म एक्ज़िबिशन कंपनी पीवीआर लिमिटेड ने आज अपनी फ्लैगशिप मल्टीप्लेक्स प्रॉपर्टी पीवीआर साकेत (तत्कालीन अनुपम) को पुनः खोलने की घोषणा की है।

कंपनी ने दो वर्ष पूर्व इसका पुनरूद्धार शुरू किया था और आज यह फिर से खोला गया। भारत के पहले मल्टीप्लेक्स के रूप में, पीवीआर साकेत (तत्कालीन अनुपम) अपने युग में आधुनिक सिनेमा थिएटर की प्रतिमा रहा है और इसे दो दशकों तक दर्शकों का स्नेह मिला है। जब पीवीआर ने 1997 में भारत में मल्टीप्लेक्स के कॉन्सेप्ट की शुरुआत की, उस समय यह 'भारतीयों की मौलिक समझ' और मूवी के प्रति उनके प्रेम में समाहित था। यद्यपि एक तरफ एक पीढ़ी पूरी दुनिया घूम चुकी थी और सर्वश्रेष्ठ सिनेमा का आनंद ले रही थी, तो दूसरी तरफ, एक और पीढ़ी को इंटरनेट के कारण सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल सिनेमा देखने को मिल रहा था। पीवीआर ने मूवीप्रेमियों की इस बढ़ती हुई अपेक्षा को पूरा किया और उनके भरोसे के साथ उड़ान भरने वाला यह पहला मनोरंजन केंद्र बन गया।

महंगाई का झटका, एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में फिर इजाफा

नईदिल्ली । अक्टूबर महीने के पहले दिन ही पेट्रोलियम कंपनियों ने महंगाई का झटका दिया है। इस बार यह बढ़ोतरी 19 किलो के कमर्शियल सिलेंडर पर हुई है। आज 1 अक्टूबर से दिल्ली में 19 किलो वाला कामर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1693 रुपये से बढ़कर 1736.50 रुपये हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 43 रुपये बढ़ाए गए हैं। वहीं, नॉन-सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 884.50 रुपये बनी हुई है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए लग रहा था कि एलपीजी सिलेंडर की कीमत 900 रुपये के पार जा सकती है।

बता दें कि सितंबर महीने की शुरुआत आम आदमी के लिए महंगाई के तड़के के साथ हुई थी। सरकारी तेल कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में फिर बढ़ोतरी कर दी। बिना सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1 सितंबर को 25 रुपए बढ़ा दी गई।

दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर का दाम बढ़कर 884.50 रुपये हो गए हैं। बीते महीने 15 दिन में ही गैर-सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर 50 रुपये महंगा हो चुका है। इससे पहले पेट्रोलियम कंपनियों ने 18 अगस्त को गैस सिलेंडर की कीमतों में 25 रुपये का इजाफा किया था। जुलाई में भी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गे थे। वहीं 19 किलोग्राम कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 75 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

मुंबई में 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर के दाम 884.5 रुपये, चेन्नई में आपको एलपीजी सिलेंडर 900.50 रुपये में मिलेगा। वहीं उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सिलेंडर के दाम 897.5 रुपये हैं।

बता दें कि 1 जनवरी से 1 सितंबर तक रसोई गैस की कीमत में 190 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। वहीं 19 किग्रा वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की बात करें तो दिल्ली में इसकी कीमत 1693 रुपये है। कोलकाता में भाव 1772 रुपये, मुंबई में 1,649 रुपये और चेन्नई में 1,831 रुपये प्रति सिलेंडर हो गए हैं।

सरकार ने हर महीने कीमतों में इजाफा करके एलपीजी पर मिलने वाली सब्सिडी को खत्म कर दिया है। हर महीने दाम में बढ़ोतरी के चलते मई 2020 तक सब्सिडी खत्म हो गई। रसोई गैस की कीमत पिछले सात सालों में दोगुनी से अधिक हो गई हैं।

सेंचुरी जड़कर स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास

» यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर बनी

नईदिल्ली। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे डे/नाइट टेस्ट में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। वह भारत की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं जिन्होंने डे/नाइट टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इसके अलावा वह भारत की पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध टेस्ट मैच में शतक लगाया है। यह मंधाना का पहला टेस्ट शतक है।

मंधाना ने चौके के साथ शतक पूरा किया और पूरा क्रिकेट जगत उनकी इस पारी की खूब तारीफ कर रहा है। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह ने कहा कि स्मृति की तारीफ शब्दों में कर पाना बहुत मुश्किल है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चींसलैंड के करेरा ओवल मैदान पर मैच खेला जा रहा है। मैच के दूसरे दिन एलिसा पेरी की गेंद पर चौका जड़कर स्मृति ने सैंकड़ा पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। शैफाली वर्मा के साथ मिलकर स्मृति ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी निभाई।

टोक्यो ओलंपिक के कांस्य विजेता पहलवान बजरंग ने ओमेक्स चौक का किया दौरा

नईदिल्ली । टोक्यो ओलंपिक 2020 के कांस्य पदक विजेता और पद्मश्री से सम्मानित पहलवान बजरंग पुनिया ने गुरूवार को चांदनी चौक में ओमेक्स चौक स्थल का दौरा किया। देश के मशहूर पहलवान ने देखा कि कैसे, ओमेक्स चौक अगली-पीढ़ी की मल्टीलेवल पार्किंग (बहु-स्तरीय पार्किंग) सह वाणिज्यिक परियोजना, चांदनी चौक को एक आधुनिक रूप दे रहा है जो एशिया के सबसे पुराने, व्यस्ततम और सबसे बड़े थोक और खुदरा बाजारों में से एक है। अपनी यात्रा के दौरान में बजरंग पुनिया ने कहा, ओमैक्स चौक के बन जाने से चांदनी चौक आने वाले लोगो को बहुत ही सहूलियत होगी और इस क्षेत्र का रूप रंग ही बदल जायेगा।

ओमेक्स लिमिटेड की पूर्ण सहायक कंपनी ओमेक्स हेरिटेज प्रा. लि. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रवण गोविल ने कहा, हम ओमेक्स चौक पर टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया का स्वागत और मेजबानी करते हुए बेहद खुश हैं। उन्हें अपने बीच देखना हमारे लिए बहुत गर्व का क्षण है। उन्होंने न केवल हमारे देश को कई बार गौरवान्वित किया है, बल्कि उन लाखों युवाओं के लिए भी प्रेरणा बन गए हैं जो खेल के क्षेत्र में हमारे देश को आगे ले जाने के इच्छुक हैं । उनके प्रोत्साहन और सकारात्मक शब्द हमें ओमेक्स चौक जैसी परियोजनाओं को बनाने के लिए प्रेरित करेंगे और वैश्विक स्तर पर रियल एस्टेट विकास के नए मानक स्थापित करते हुए अपनी यात्रा जारी रखेंगे।

आभूषण, परिधान, खानपान के साथ खरीदारों के लिए एक ही जगह ख़रीदारी (वन स्टॉप शॉपिंग सेंटर) करने के साथ ही अपनी ऐतिहासिक और स्थापत्य को समृद्ध करते हुये क्षेत्र के आधुनिकीकरण की शुरुआत करेगा। 'अंडर वन रूफ की अवधारणा के रूप परिकलपना के साथ यह मल्टी लेवल पार्किंग सह कामर्शियल प्रोजेक्ट, प्रतिदिन औसतन 5-6 लाख आगंतुको के आने के साथ इस क्षेत्र में पार्किंग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यहाँ 2100 से अधिक कारों को रखने की क्षमता रखता है।

पुलिस की भूमिका निभाना चाहती हूं : अलीशा पंवार

अभिनेत्री अलीशा पंवार की लघु फिल्म ब्लाइंड लव - पार्ट 2 की स्ट्रीमिंग शुरु हो गई है। अभिनेत्री ने इस पर अपना उत्साह साझा किया। फिल्म के बारे में अधिक बात करते हुए अलीशा कहती हैं कि फिल्म में काम करने का पूरा अनुभव बहुत अच्छा है। मैंने ब्लाइंड लव के साथ लघु फिल्मों में शुरूआत की है। यह मेरे द्वारा निभाई गई नैना नाम की लड़की और एक लड़के की एक साधारण प्रेम कहानी है। यह पहली बार था जब मैंने एक दृष्टिबाधित लड़की का किरदार निभाया है, इसलिए इस किरदार की तैयारी में

बहुत मेहनत लगी है।

ब्लाइंड लव 2 से उसकी क्या उम्मीदें हैं? इस पर उन्होंने कहा कि पहले सीजन पर काम करते हुए, हम ब्लाइंड लव की एक टीम के रूप में कभी भी परिणाम की भविष्यवाणी नहीं कर सकते थे। एक एक्टर के रूप में मैंने अपना दिल और आत्मा नैना में डाल दिया है और परिणाम हमारे सामने है। एक टीम के रूप में , मैं निश्चित रूप से चाहती हूं कि सीजन 2 अच्छा करे। हमने काम करने का एक अच्छा समीकरण साझा किया है और यह जीवन भर के लिए एक अनुभव है,। प्रदीप खैरवार द्वारा निर्देशित ब्लाइंड लव 2 में एक्टर शगुन पांडे भी हैं।

शॉर्ट फिल्मों में डेब्यू करने के बाद क्या वह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर वेब सीरीज, फिल्में करने की कोशिश करेंगी? वह जवाब देती है कि क्यों नहीं? मैं ऐसी भूमिका पसंद करूंगी जो संबंधित हो और मैं प्रयोग कर सकूं।

फैबलुक मैगज़ीन के कवर पेज पर नज़र आई काजल अग्रवाल

काजल अग्रवाल ने तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में अपना करियर पूरी तरह से एस्टब्लिश किया हुआ है। साउथ में उनकी फैन फोलोविंग काफी बड़ी है। काजल जो पिछले साल शादी के बंधन में बंधी थी अपनी शादी शुदा ज़िन्दगी को काफी एन्जॉय कर रही है और यह बात उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स से साफ़ ज़ाहिर होती है। वह नजर आयी फैबलुक मैगजीन के कवर पेज पर। कवर पेज अपने फैंस के साथ शेयर करते हुए काजल ने लिखा, शूट

फॉर फैबलुक मैगज़ीन। इस कवर पेज पर वह बेहद खूबसूरत और स्टनिंग लग रही है। उनकी सुंदरता आपको मेस्मराइस कर देगी। लाइट पर्पल गाउन में वह किसी प्रिंसेस से कम नहीं लग रही है। काजल ने साल 2004 में हिंदी फिल्म क्यों! हो गया ना से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2007 में उन्होंने फिल्म लक्ष्मी कल्याणम से अपना तेलुगु डेब्यू किया और उसके बाद से अब तक उन्होंने अपने करियर में कई हिट तमिल और तेलुगु फिल्में दी है।

आज का राशिफल

मेषः आपके विचारों में स्थिरता का अभाव रहने से कुछ मामलों में उलझन अनुभव करेंगे। नौकरी या व्यवसाय में स्पर्धात्मक वातावरण रहेगा।

वृषभ : मन की डावांडोल वृत्ति महत्त्वपूर्ण अवसरों से आपको वंचित रखेगी। आज नए कार्य का आरंभ करना उचित नहीं है।

मिथुनः आज का दिन ताजगी और स्फूर्ति से परिपूर्ण रहेगा। दांपत्य जीवन में सुख- संतोष की भावना अनुभव करेंगे। आर्थिक लाभ और आयोजनों के लिए अनुकूल दिन है।

कर्क : परिवार में मनमुटाव के अवसर आएंगे, इसलिए मानसिक बेचैनी रहेगी। मन दुविधा अनुभव करेगा इसलिए महत्त्वपूर्ण निर्णय टालना हितकर है।

सिंह : आज का दिन आपके लिए लाभदायक साबित होगा। स्त्री मित्रों से मुलाकात और लाभ होगा। बुजुर्गों को आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे।

कन्या : नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए मन में बनाई हुई योजनाएं साकार होंगी। पिता के साथ आत्मीयता बढ़ेगी। उनसे लाभ होगा।

तुला : नए कार्य का आरंभ कर सकेंगे। लंबी दूरी की यात्रा या तीर्थस्थान की मुलाकात लेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम रहेगा।

वृश्चिक : वाणी और व्यवहार पर आज संयम रखना आवश्यक है। दैनिक कार्यों के अतिरिक्त नए कार्य हाथ में लेना उचित नहीं है।

धनुः पार्टी पिकनिक प्रवास, सुंदर भोजन और वस्त्र परिधान आज के दिन की विशेषता रहेगी। मनोरंजन की दुनिया में विहार करेंगे।

मकरः व्यापार-धंधे के विकास और आर्थिक आयोजन के लिए आज अनुकूल दिन है। वसूली या पैसे की लेन-देन करने में सफलता मिलेगी।

कुंभः मानसिक अशांति और उद्वेग भरा दिन है। तेजी से बदलते विचारों के कारण अनिर्णायकता रहेगी, इसलिए ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। संतानों के प्रश्न उलझन में डालेंगे।

मीनः आज के दिन सावधानी रखने की सलाह देते हैं। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद पैदा होगा। माता का स्वास्थ्य चिंता का कारण का कारण बनेगा। स्वास्थ्य खराब होने की संभावना है।

ग्वारफली की जायकेदार सब्जी

ग्वारफली दिखने में कुछ-कुछ बीन्स जैसी ही होती है लेकिन स्वाद और बनाने का तरीका थोड़ा अलग होता है। तो आज हम ग्वारफली की एक जायकेदार सब्जी बनाना सीखेंगे जिसे आपको जरूर ट्राय करना चाहिए।

सामग्री :

ग्वारफली- 2 कप (धुली और कटी हुई), गाढ़ी दही- 1 कप, लाल मिर्च पाउडर- 2 1/2 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1 टेबलस्पून, बेसन- 2 टीस्पून, नमक- स्वादानुसार, तेल- 1 टेबलस्पून, जीरा- 1 टीस्पून, सरसों- 1/2 टीस्पून, हींग- 1/4 टीस्पून, सौंफ- 1 टीस्पून, करी पत्ते- 8-10

विधि :

- प्रेशर कुकर में ग्वारफली, नमक और 2 1/2 कप पानी डालकर दो सीटी आने तक पका लें। - कुकर का प्रेशर खुद से निकलने दें और फिर पानी से ग्वारफली निकालकर अलग रख दें। - एक बाउल में दही, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, बेसन, नमक सबको एक साथ

मिक्स कर लें। - कड़ाही में तेल गर्म होने के लिए डाल दें। - गर्म होते ही इसमें जीरा, करी पत्ता, सौंफ, सरसों और हींग का तड़का लगाएं। - दो मिनट तक इसमें भून लें जिससे सारी चीज़ों का कच्चापन निकल जाए। - इसके बाद इसमें दही वाला मिक्सचर और 1/4 कप पानी डाल दें। - चलाते हुए अच्छी तरह से सारी चीज़ें मिक्स कर लें। - अब बारी है इसमें उबली हुई ग्वारफली डालने की। - ग्वारफली डालने के बाद ढककर कम से कम और 5 मिनट पकाएंगे। - तैयार है ग्वारफली की स्वादिष्ट सब्जी, रोटी या चावल जिस किसी के भी साथ सर्व किया जा सकता है।

शब्द सामर्थ्य- 218

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

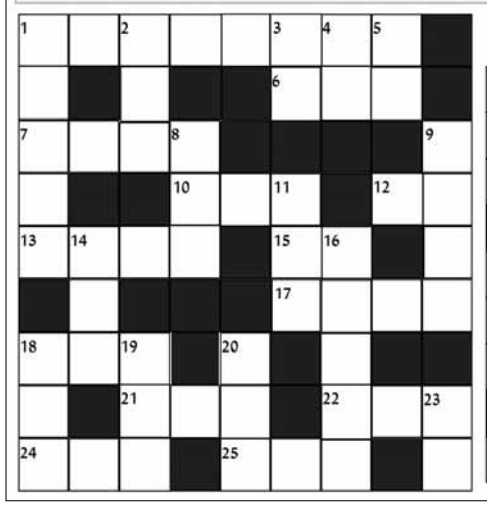

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 217 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सू-दोकू- 218

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.217 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7